ANNUAL REPORT OF ADVENTURE CLUB

2025-2026

The Adventure Club, under the leadership of the Principal mam and faculty coordinators, remained actively involved in organizing student-oriented activities. The committee continuously worked towards providing students with practical exposure and enriching learning experiences through various initiatives. Educational and recreational trips were arranged to provide students exposure to historical, cultural, and natural sites. Although industrial visits were also organized for the students to provide practical exposure and experiential learning opportunities. These visits helped students understand industrial processes, workplace management, and technological advancements beyond classroom teaching.

- On September 26, 2025, the Department of History at KVA DAV College for Women, Karnal, in collaboration with the Archaeology and Museums Department, Haryana, organized **a heritage walk** to commemorate **International Tourism Day.** During the walk, students explored significant historical landmarks such as **Mughal Sarai at Gharaunda and the Cemetery Church Tower, Karnal**, gaining valuable insights from Mr. Vinit Bhanwala of the Archaeology Department. The activity aimed to enhance students' understanding of Haryana's rich historical heritage through direct engagement with historical sites. The program witnessed the active participation of Dr. Renu Baliyan, Dr. Parvesh, Ms. Gurcharan Kaur, and Ms. Leena, along with 116 students from the Department of History. The heritage walk proved to be an enriching, informative, and memorable experience for all participants.

प्राचीन मुगल सराय का प्रवेशद्वार
यह सराय करनाल से 16 किमी दक्षिण में पुराने ग्रैंड ट्रंक रोड पर घरौंदा में स्थित है। वर्तमान में सराय में कोई शिलालेख नहीं है, परन्तु यूरोपीय यात्री कैप्टन मुंडी ने एक प्रवेशद्वार पर एक शिलालेख देखा था। शिलालेख के अनुसार, इसे शाहजहां के शासनकाल के दौरान सन् 1637 ई. में खान फिरोज द्वारा बनाया गया था। इस सराय का नाम मुगलों के नाम पर रखा गया है। सन् 1526 ई. में पानीपत की लड़ाई से पहले, बाबर ने यहां शिविर डाला था। अकबरनामा में भी पानीपत की दूसरी लड़ाई से पहले एक 'सराय करौंदा' का उल्लेख है। यह सराय चौकोर आकार की थी जिसके चारों ओर कोठरियाँ बनी थीं। सराय के प्रांगण के चारों ओर एक ऊँची चाहरदीवारी थी जिसके कोनों पर बुर्ज थे। इस सराय का इतिहास सन् 1857 ई. में ब्रिटिश शासन के खिलाफ स्वतंत्रता के पहले युद्ध से भी जुड़ा हुआ है। ऐसा कहा जाता है कि कुछ विद्रोहियों को खदेड़ने के लिए अंग्रेजों ने सराय को ध्वस्त कर दिया था। कभी बहुत खूबसूरत रही इस इमारत के अब सिर्फ दो अब प्रवेशद्वार ही शेष हैं।
उत्तरी और दक्षिणी दीवारों के मध्य में लखौरी ईंटों से बनाये गए तीन मंजिला प्रवेश द्वार हैं, जिनके दोनों सिरों पर केंद्रीय गुंबददार कक्ष हैं जिनमें धनुषाकार द्वार हैं। प्रवेश द्वार के भीतरी भाग की उंचाई कम है जिन्हें बाहर निकले हुए छज्जों के साथ बनाया गया है। स्कंधों में, केंद्रीय मार्ग के किनारों पर कक्ष और सीढ़ियां हैं जो छत की ओर जाती हैं। बाहरी अग्रभाग को एक प्रभावशाली रूप से उभरी हुई पट्टिका के साथ सजाया गया है जिसमें बहुपरत धनुषाकार उद्घाटन के दोनों ओर छज्जें हैं, जो पहली मंजिल के स्तर पर कोष्ठक पर टिकी हुई हैं। बाहरी सिरों पर अर्धवृत्ताकार और कोणीय बांसुरी की आकृति की मीनारें हैं जिनमें बंदूक चलाने के स्थान निर्मित हैं।
इसके ऐतिहासिक महत्व को देखते हुए अधिसूचना सं.1083 दिनांक 01.12.1914 के द्वारा इसे राष्ट्रीय महत्व के स्मारक के रूप में संरक्षित किया गया।

कैंटोनमेंट चर्च टॉवर
यह टॉवर कभी सेंट जेम्स चर्च का हिस्सा था जिसका निर्माण करनाल में छावनी की स्थापना के तुरंत बाद सन् 1806 ई॰ में किया गया था। सन् 1841 ई॰ में जब छावनी को अंबाला में स्थानांतरित किया गया तो जनता के योगदान से निर्मित इस टॉवर को अच्क्षुण छोड़ दिया गया। यह विशाल 35 मीटर ऊँचा टॉवर, तत्कालीन थल सेना परेड मैदान व रेस कोर्स के मध्य में स्थित है। ऊपरी भाग पर एक अलंकृत क्रॉस से सुसज्जित यह टॉवर अंग्रेजी वास्तुकला का उत्कृष्ट उदाहरण है। इस चार मंजिला टॉवर के प्रथम तल पर इट्रस्कैन शैली में अलंकृत अर्ध स्तंभों का प्रयोग हुआ है। शीर्ष मंजिला अर्धवृत्ताकार रोमन मेहराब से सुसज्जित है। इसकी पूरी सतह को चूने से प्लास्टर किया गया है और पट्टिकाओं पर सूक्ष्म कार्य को दर्शाता है
इसके ऐतिहासिक महत्व को देखते हुए अधिसूचना सं. 24847 दिनांक14.10.192 के द्वारा इसे राष्ट्रीय महत्व के स्मारक के रूप में संरक्षित

सिंह, रमन बग्गा मौजूद रहे।

मुगल सराय कैंटोनमेंट चर्च टावर का भ्रमण किया

करनाल । केवीए डीएवी महिला महाविद्यालय के इतिहास विभाग एवं आर्कियोलोजी एंड म्यूजियम विभाग हरियाणा द्वारा अंतरराष्ट्रीय पर्यटन दिवस के अवसर पर हैरिटेज वॉक का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य मीनू शर्मा के मार्गदर्शन में छात्राओं को घरौंडा मुगल सराय कैंटोनमेंट चर्च टावर जैसे ऐतिहासिक लैंडमार्क का भ्रमण करवाया गया। आर्कियोलोजी विभाग से विनीत बेनीवाल ने छात्राओं को घरौंडा मुगल सराय व कैंटोनमेंट चर्च टावर के आर्ट एवं आर्किटेक्चर से अवगत करवाया कि मुगल सराय एक विश्राम गृह था, जिसका निर्माण 1637 ई. में सम्राट शाहजहां के शासनकाल के दौरान फिरोज खान द्वारा किया गया। वह दिल्ली लाहौर ग्रैंड ट्रंक रोड पर यात्रियों की सेवा करता था। इसके वर्तमान दो प्रवेश द्वारों को मुगल वास्तुकार द्वारा लखौरी ईंटों और सुसज्जित बालकानियों के साथ तीन मंजिला बनाया गया था। इस हैरिटेज वॉक में छात्राओं के साथ इतिहास विभाग की अध्यक्ष डॉ. रेणू बालियान और प्राध्यापिका डॉ. प्रवेश, कंप्यूटर विभाग से गुरचरण कौर व लीना शामिल रहीं। इतिहास विभाग की 116 छात्राओं ने भाग लिया। इन स्थानों की जानकारी प्राप्त कर एवं प्रत्यक्ष देखकर ज्ञानवर्धन किया।

- The Department of Home Science organized an educational and industrial visit on November 12, 2025 for students of Bachelor of Fashion Designing and B.Voc. Fashion Technology. Approximately 45 students went on the trip. he visit aimed to gain practical exposure to the textile and fashion industry.

  Places covered : Kutiya Gurudev Niwas Shahbad, Amartex Industries, Panchkula. Lomoofy, a modern clothing, Pinjore Garden Panchkula, Mata Mansa Devi Temple, Nada Sahib Gurdwara .

  The visit provided students with valuable exposure to real-world industrial practices, production processes, and management techniques. The visit successfully enhanced students' understanding of the industry and its working

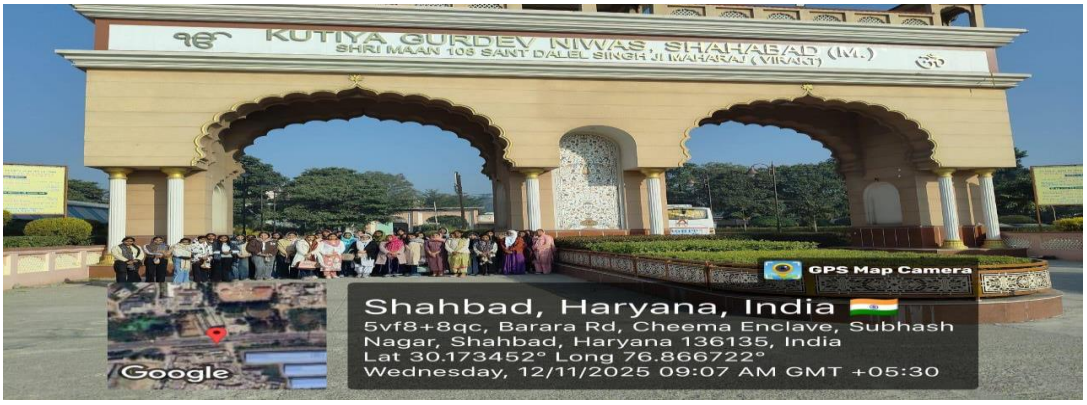

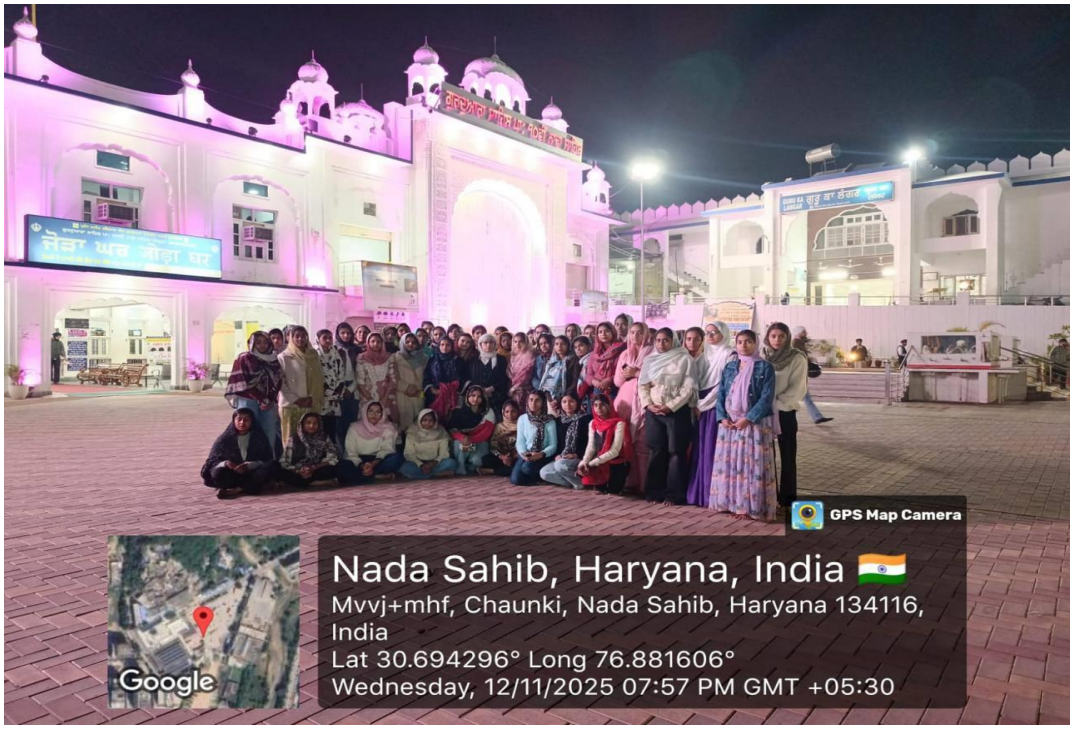

1.माँ मनसा द्वार
श्री माता मनसा देवी मंदिर
माँ मनसा द्वार
1
मंदिर में जाने का रास्ता
GPS Map Camera
Google
Panchkula, Haryana, India
Pvf6+j28, Mansa Devi Complex, Mansa Devi Temple Complex, Panchkula, Haryana 134114, India
Lat 30.723753° Long 76.859846°
Wednesday, 12/11/2025 06:52 PM GMT +05:30

GPS Map Camera
Google
Pinjore, Haryana, India
1084, Pinjore, Haryana 134102, India
Lat 30.794173° Long 76.914782°
Wednesday, 12/11/2025 03:38 PM GMT +05:30

- Dr Renu Baliyan, Convener of the club received a certificate of Appreciation for Leading a '**Heritage Baithak & Museum Walk'** at **Panipat Museums** on 30 November 2025 which was organized by the **Department of Archaeology and Museums, Haryana.**

विरासत की जानकारी के लिए संग्रहालय का भ्रमण

संग्रहालय में उपस्थित प्रतिभागी व विनीत भनवाला। महाविद्यालय

संवाद न्यूज एजेंसी

पानीपत। पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग द्वारा रविवार को पानीपत संग्रहालय में हेरिटेज बैठक और म्यूजियम वॉक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व केवी डीएवी महिला महाविद्यालय की एसोसिएट प्रोफेसर इतिहास विभाग की अध्यक्ष डॉ. रेणु बालियान ने किया।

डॉ. रेणु ने बताया कि पानीपत युद्धों ने मध्यकालीन भारतीय इतिहास में किस प्रकार महत्वपूर्ण परिवर्तन किए और किस तरह पानीपत रणनीतिक तथा सांस्कृतिक दृष्टि से सदियों से एक महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। विनीत भनवाला ने बताया कि विभाग में ऐसे हेरिटेज वॉक, बैठकों और विरासत टूर का साप्ताहिक आयोजन कर रहा है। इसका उद्देश्य हरियाणा की विरासत पर्यटन को बढ़ावा देना, आमजन को अपने इतिहास के प्रति जागरूक करना है।

रेक डॉ. रेणु ने पानीपत के युद्धों पर प्रकाश डाला

पानीपत, 30 नवम्बर (खबं) : पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग, हरियाणा द्वारा पानीपत संग्रहालय में हैरिटेज बैठक एवं म्यूजियम वॉक का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व के.वी. डी.ए.वी. महिला महाविद्यालय की एसोसिएट प्रोफैसर इतिहास विभाग की अध्यक्ष डॉ. रेणु बालियान ने किया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को संग्रहालय के महत्व, उसके डिस्प्ले में लगाई गई जानकारी एवं ऐतिहासिक वस्तुओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। डॉ. रेणु ने विशेष रूप से पानीपत के युद्धों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इन युद्धों ने मध्यकालीन भारतीय इतिहास में किस प्रकार महत्वपूर्ण परिवर्तन किए और किस तरह पानीपत रणनीतिक तथा सांस्कृतिक दृष्टि से सदियों से एक महत्वपूर्ण केंद्र रहा है।

बैठक के बाद प्रतिभागी व अन्य। (सुखजिंद्र)

विभाग की तरफ से विनीत भनवाला ने बताया कि पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग, हरियाणा पूरे प्रदेश में ऐसे हैरिटेज वॉक, बैठकों और विरासत टूर का साप्ताहिक आयोजन कर रहा है। इसका उद्देश्य हरियाणा की विरासत पर्यटन को बढ़ावा देना, आमजन को अपने इतिहास के प्रति जागरूक करना तथा युवाओं में संस्कृति और धरोहर के प्रति रुचि बढ़ाना है। कार्यक्रम में पानीपत, करनाल, दिल्ली एवं नोएडा के प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और आयोजन की सराहना की।

- The Department of Home Science organised a one day industrial visit to Panchkula on October 8, 2025 for the students of B.Voc. Food Science and Quality Control. Approximately 50 students went on the trip.

  Places covered : Kutiya Gurudev Niwas Shahbad Smriti Products, a milk processing plant located at Saha. Pinjore Garden, Panchkula, Bakers Lounge, Panchkula, Mata Mansa Devi temple and Nada Sahib Gurudwara.

  Overall, the trip was an enriching and memorable experience that combined learning, cultural exploration, and spiritual reflection. The trip not only enhanced academic knowledge but also encouraged personal growth, moral values, and a sense of social responsibility among the students

KUTIYA GURDEV NIWAS, SHAHABAD (M.)
SHRI MAAN 108 SANT DALEL SINGH JI MAHARAJ (VIRAKT)
GPS Map Camera
Shahbad,Haryana,India
Sahabad Road, Vijay Colony, Shahbad, Haryana 136135, India
Lat 30.173457, Long 76.866727
Wednesday, 08/10/2025 08:53 AM GMT+05:30
Note : Captured by GPS Map Camera

1. माँ मनसा द्वार
श्री माता मनसा देवी मंदिर
GPS Map Camera
Panchkula,Haryana,India
Sector 5D MDC, Sector 5D MDC, Panchkula, Haryana
134114, India
Lat 30.723752, Long 76.859712
Wednesday, 08/10/2025 05:52 PM GMT+05:30
Note : Captured by GPS Map Camera

GPS Map Camera
Ambala,Haryana,India
NH 344, Saha, Ambala, Haryana 133104, India
Lat 30.319981, Long 76.973427
Wednesday, 08/10/2025 11:44 AM GMT+05:30
Note : Captured by GPS Map Camera

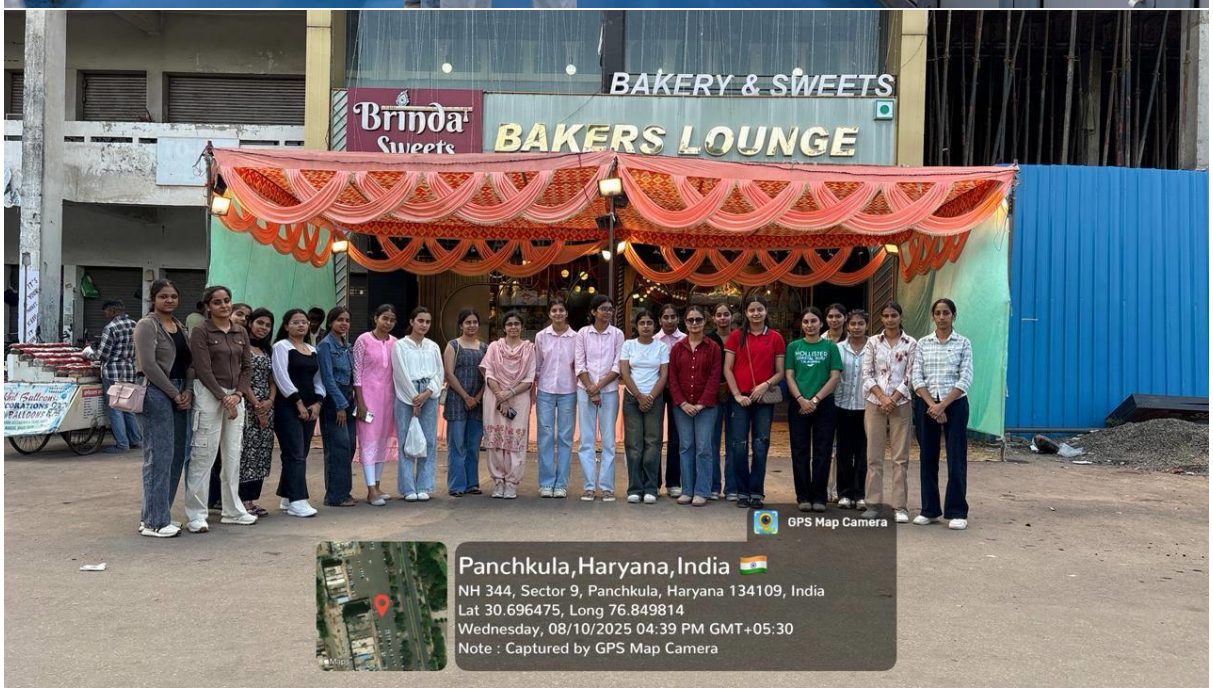
BAKERY & SWEETS
Brinda Sweets
BAKERS LOUNGE
GPS Map Camera
Panchkula,Haryana,India
NH 344, Sector 9, Panchkula, Haryana 134109, India
Lat 30.696475, Long 76.849814
Wednesday, 08/10/2025 04:39 PM GMT+05:30
Note : Captured by GPS Map Camera

- The History Department under the MoU with Dyal Singh College, Karnal successfully organized a one-day educational visit to various historical and cultural sites on February 28th, 2026. The visit began with a trip to Lakshya Milk Plant, Rakhigarhi, a major Harappan civilization site, and explored ongoing excavations led by ASI. Other highlights included visits to Agroha (Hisar), where students saw Buddhist stupa ruins and the Agroha dham temple, showcasing the region's rich cultural heritage. 51-student visit accompanied by Dr. Renu Baliyan, Dr. Parvesh, Ms. Gurcharan Kaur, and Mr. Surender Singh, was a resounding success, sparking new interests and deepening students' appreciation for history.

KUMARI VIDYAVATI ANAND
DAV COLLEGE FOR WOMEN, KARNAL
DEPARTMENT OF HISTORY
HISTORY ASSOCIATION
DYAL SINGH COLLEGE
KARNAL
WELCOMES YOU
DYAL SINGH COLLEGE, KARNAL
HISTORY ASSOCIATION
WELCOMES YOU

लक्ष्य
INAUGURATION
GPS Map Camera
Jitgarth, Haryana, India
Lakshay Milk Plant, Sh 12, Jitgarth, Haryana 126125, India
Lat 29.390212° Long 76.347475°
Saturday, 28/02/2026 10:55 AM GMT +05:30
Google

मणि निर्माण
BEAD MAKING

- A One Day Educational Trip was organized by the Department of English for fifty students under the Excursion Club of the college on 31 March, 2026. We visited Tapkeshwar Mandir, Mindrolling Monestry, Robbers Cave, Paltan Bazaar, Ellora Bakery and Centrio Mall in Dehradun. It was a learning experience for the students and they enjoyed a lot.

- Five students along with Dr Parvesh also visited the Markandeshwar Mahadev Temple, Shahabad, Markanda, Kurukshetra a site of great historical and religious significance on April 11, 2026. The visit aimed to acquaint students with the architectural features, cultural heritage, and mythological importance of the temple.